प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री अशोक गर्ग एवं श्रीमती ऊषा गर्ग को

ASHOK & USHA

वैवाहिक वर्षगांठ

8 दिसम्बर

की हार्दिक शुभकामनाएं

आपका साथ इसी प्रकार बना रहे
एवं परिवार में खुशियों के फूल खिलते रहें

इसी मंगल कामना
के साथ

मेरी दिल्ली

ए डॉट क्लब का ग्रैंड न्यू ईयर प्लान 11 दिसंबर को फैमिली किटी मेंबर्स दुबई टूर पर

पंजाबी बाग। नववर्ष 2026 के शुभ आगमन एवं शानदार स्वागत हेतु ए डॉट क्लब अपनी फैमिली किटी मेंबर को एक और तोहफा देने जा रहा है। आगामी 11 दिसंबर को ए डॉट क्लब के 18 किट्टी मेंबर का ग्रुप दुबई की उड़ान भरने को तैयार है जिसको लेकर क्लब के सभी किटी मेंबर्स का उत्साह अपने चरम पर है। ए डॉट क्लब किट्टी मेंबर के सभी सदस्य दुबई के पांच सितारा होटल जे डब्ल्यू मैरियोट में चार रातें एवं पांच दिन रुकेंगे और समस्त दुबई भ्रमण के पश्चात 15 दिसंबर को अपने वतन भारत वापसी करेंगे। क्लब के किट्टी मेंबर एवं पूर्वी पंजाबी बाग निवासी अशोक गर्ग ने बताया कि ए डॉट क्लब का मूल उद्देश्य केवल सामाजिक जुड़ाव और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करना ही नहीं, बल्कि सदस्यों को नए अनुभव, नई संस्कृतियाँ और वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करना भी है। इसी कड़ी में दुबई भ्रमण कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है। क्लब के सम्मानित अठारह सदस्यों अशोक गर्ग, अनिल गुप्ता, जगदीश राय गोयल, राजकुमार नासा, गणेश बंसल, मोहिंदर कंसल, सत नारायण गोयल, राजेंद्र मित्तल, नरेश गर्ग, बाबूलाल अग्रवाल, सुरेंद्र सिंघल, अशोक जैन, विनोद अग्रवाल, मोहिंदर नाथ गोयल, कृष्ण बंसल, सुनील राजपाल, धर्मेंद्र आनंद (टोनी) एवं विनय अग्रवाल आदि ने कहा कि 'ए डॉट क्लब सिर्फ सामाजिक गतिविधियों का मंच नहीं, बल्कि यह परिवार जैसा समूह है, जहाँ हर सदस्य का विकास और अनुभव सर्वोच्च प्राथमिकता है। ए डॉट क्लब द्वारा प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को किटी का आयोजन किया जाता है। गत दिनों कश्मीर और उदयपुर की सफल यात्राओं के बाद क्लब के सम्मानित सदस्यों ने बताया कि ए डॉट क्लब सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। ए डॉट क्लब के लगातार बढ़ते कदम यह संकेत देते हैं कि यह संगठन केवल मनोरंजन नहीं बल्कि सामुदायिक एकता, सीख और उत्साह का एक जीवंत उदाहरण बन रहा है। ए डॉट क्लब के दुबई भ्रमण की तैयारियों ने अब पूरे पंजाबी बाग में चर्चा का माहौल बना दिया है, और सदस्य इस अनूठी यात्रा को लेकर बेहद रोमांचित हैं।

गंगा इंटरनेशनल स्कूल, हिरनकूदना में विश्व बंधुत्व का अद्भुत उत्सव

छह देशों से पहुंचे शिक्षाविदों के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय संस्कृति और शिक्षा मॉडल की सराहना की

नई दिल्ली। गंगा इंटरनेशनल स्कूल, हिरनकूदना ने 28 नवंबर को विश्व बंधुत्व, सांस्कृतिक समन्वय और शैक्षिक उत्कृष्टता का एक अद्भुत अध्याय रचा, जब जॉर्जिया, पोलैंड, वियतनाम, तुर्की, सर्बिया और मोंटेनेग्रो से आए 32 शिक्षाविदों व प्रधानाचार्यों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय का दौरा किया। विद्यालय परिसर में भारतीय परंपरा और मेहमाननवाज़ी का ऐसा अद्वितीय संगम देखने को मिला जिसने 'अतिथि देवो भव:' की भावना को जीवंत कर दिया। विद्यार्थियों द्वारा पुष्पवर्षा, तिलक, माल्यार्पण और शॉल ओढ़ाकर स्वागत ने अतिथियों को भावविभोर कर दिया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा भगवद्गीता भेंट किए जाने से भारतीय संस्कृति का आध्यात्मिक वैभव और भी उजागर हुआ। वाकई, वातावरण इस बात की गवाही दे रहा था कि– 'जहां संस्कारों की छांव होती है, वहीं आत्मा ओजस्वी हो उठती है।'

दीप प्रज्ज्वलन से शुरू हुआ सांस्कृतिक सहयोग का नया अध्याय

गणेश वंदना 'शुभकर्ता विधिन हर्ता' ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती स्वाति जोशी ने सभी देशों के प्रतिनिधियों का परिचय कराते हुए कहा कि यह मिलन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कृति और मैत्री का अनुपम संगम है। इसके बाद ताइक्वांडो प्रदर्शन, मनमोहक जुम्बा डांस और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरा माहौल उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। विदेशी अतिथि भी स्वयं को रोक न सके और बच्चों के साथ 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' की धुन पर थिरकते हुए भारतीय मेहमाननवाज़ी की आत्मीयता में डूब गए। यह दृश्य अंतरराष्ट्रीय मित्रता की अनोखी तस्वीर पेश कर रहा था।

भारतीय शिक्षा मॉडल और संस्कृतिमूल्य हुए प्रशंसित

प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय की कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और गतिविधि स्थलों का भ्रमण किया और भारतीय शिक्षण पद्धति, अनुशासन, रचनात्मकता और सांस्कृतिक मूल्यों की खुलकर सराहना की। अतिथियों ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और शिक्षा का गहरा प्रभाव अत्यंत प्रेरणादायी है और वे इस अनुभव को सदैव याद रखेंगे।

विद्यालय प्रबंधन ने इसे बताया गौरवपूर्ण क्षण

विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता (पूर्व सांसद, राज्यसभा) ने इसे विद्यालय की प्रगतिशील सोच और वैश्विक दृष्टि का गवाह बताया। सीईओ भरत गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन अंतरराष्ट्रीय सहयोग, बहुसांस्कृतिक संवाद और वैश्विक जागरूकता को मजबूत करते हैं। निदेशक कर्नल अशोक कॉल ने इसे 'विविधता में एकता' का सशक्त उदाहरण बताया। प्रधानाचार्या श्रीमती स्वाति जोशी ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऐसे अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान के अवसर निरंतर बढ़ते रहेंगे।

अतिथियों ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत को 'अविस्मरणीय अनुभव' बताया और भारतीय संस्कृति की मधुरता, विनम्रता और अपनत्व की सराहना की।निस्संदेह, गंगा इंटरनेशनल स्कूल, हिरनकूदना का यह कार्यक्रम शिक्षा, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय मित्रता का वह सुनहरा अध्याय साबित हुआ जिसने एक बार फिर सिद्ध किया कि– 'जहां प्रेम से पग-पग सजे, वहां संस्कृति स्वयं गले लग जाती है।' यह आयोजन विद्यालय के इतिहास में सदैव एक ऐतिहासिक, प्रेरणादायी और गौरवपूर्ण क्षण के रूप में अंकित रहेगा।

योग एवं मानव सेवा संस्थान द्वारा 7 कन्याओं का सामूहिक विवाह आयोजित

प्रशांत विहार अग्रवाल भवन में हुआ भव्य आयोजन, 400 से अधिक बाराती बने साक्षी

नई दिल्ली। योग एवं मानव सेवा संस्थान के तत्वावधान में रविवार, 30 नवंबर को प्रशांत विहार स्थित अग्रवाल भवन में सात कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सामाजिक सौहार्द, सेवा और मानवीय मूल्यों का संदेश देते इस आयोजन में संस्थान के पदाधिकारियों, साधकों और सैकड़ों सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया।

समारोह में संस्थान के प्रधान विनोद मित्तल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विनोद शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. अनिल शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट नरेश शर्मा, जनरल सेक्रेटरी बालकिशन गोयल, कोषाध्यक्ष कैलाश गर्ग, योगधारा की एडिटर रजनी दीवान, योग गुरु देवेंद्र सर, सहित संस्थान के सभी अधिकारीगण और साधकों ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम में लगभग 400 बाराती उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और इस पुण्य कार्य के साक्षी बने।

कन्यादान में दिया गया भरपूर गृहस्थी का सामान

संस्थान की ओर से प्रत्येक कन्या को दहेज-मुक्त, सम्मानजनक कन्यादान के रूप में आवश्यक गृहस्थी का पूरा सेट भेंट किया गया। इसमें सोने के टॉप्स, नथ, चांदी की पायल और बिछुए, साड़ियां, लहंगा-चुन्नी, सूट, डबल बेड, गद्दा, सर्दियों व गर्मियों के बिस्तर, सिलाई मशीन, 51 बर्तनों का सेट, पंखा, प्रेस, कुकर, ट्रंक और अन्य आवश्यक घरेलू सामान शामिल थे, जिससे नवविवाहित जीवन की शुरुआत सुगम और सुखद हो सके।

संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन न केवल सात परिवारों के लिए खुशी का अवसर है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि सामूहिक प्रयासों से सेवा, सहयोग और मानवता के बड़े कार्य पूरे किए जा सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी जोड़ों को आशीर्वाद देकर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

'नन्हीं मुस्कान 2.0' कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

नई दिल्ली। जॉय मेकर एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'नन्हीं मुस्कान 2.0' कार्यक्रम 6 दिसंबर को एमसीडी स्कूल, सी-ब्लॉक, वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देना और शैक्षिक संसाधनों के माध्यम से उनके मनोबल को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित अतिथियों ने खूब सराहा। इस अवसर पर अमन कंसल और श्रीमती आरती माथुर ने अपनी शादी की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बच्चों को जूते वितरित कर समाजसेवा की एक उत्कृष्ट मिसाल पेश की। वहीं, जानवी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर सभी बच्चों को लेखन सामग्री भेंट की, जो उनके योगदान की सराहना का पात्र था।

कार्यक्रम में कई सम्मानित अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की, जिनमें गगनदीप सिंह (निदेशक, हाइब्रिड एसोसिएट), गुरमीत सिंह (असिस्टेंट मैनेजर प्रोजेक्ट, एलिसिया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), गुरजोत सिंह (असिस्टेंट कंसल्टेंट, टीसीएस), राहुल सिंह (अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), श्रीमती रचना माथुर (अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), अखिलेश मिश्रा (अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), आशुतोष (अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), श्रीमती पूनम जैन (समाजसेविका), श्रीमती सोनिया गर्ग (समाजसेविका), श्रीमती सुशीला देवी (समाजसेविका), श्रीमती ममता जैन (समाजसेविका) एवं सौम्या जैन (समाजसेविका) शामिल थे। सभी अतिथियों का फाउंडेशन एवं विद्यालय की ओर से गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि गगनदीप सिंह ने बच्चों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन देते हुए कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कुंजी है और फाउंडेशन की मदद से वे अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

फाउंडेशन ने प्रधानाचार्य बंशीलाल और विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 'नन्हीं मुस्कान 2.0' का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ और जॉय मेकर एजुकेशन फाउंडेशन की टीम ने भविष्य में भी ऐसे उपयोगी कार्यक्रमों को आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नव ऊर्जा वेलफेयर ट्रस्ट की अनूठी पहल– हिमाचल के 221 निर्धन छात्रों को मिली नई वर्दी, जैकेट और जूते

स्थानीय विधायक कैप्टन रंजीत सिंह राणा ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

हिमाचल प्रदेश। समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय नव ऊर्जा वेलफेयर ट्रस्ट, रोहिणी (दिल्ली) ने 22 नवंबर 2025 को हिमाचल प्रदेश के कई सरकारी प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों के चेहरे खुशी से खिलाए। ट्रस्ट की टीम ने 6 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के कुल 221 बच्चों को मुफ्त में वर्दी, जैकेट और जूते वितरित किए, जिससे इन बच्चों को ठंड के मौसम में बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री राजकीय प्राथमिक केंद्र पाठशाला, बीड़ बगेहड़ा में किया गया, जहां स्थानीय विधायक कैप्टन रंजीत सिंह राणा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर इस सामाजिक पहल की सराहना की। उन्होंने राजकीय प्राथमिक पाठशाला खनौली के बच्चों को वर्दी किट प्रदान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

ट्रस्ट की ओर से आए चेयरमैन मनोज गंडोत्रा, अध्यक्षा ज्योति गंडोत्रा, महासचिव विशाल अरोड़ा और उपाध्यक्ष परमानंद गुप्ता का विधायक राणा ने स्वागत किया तथा उनके सामाजिक योगदान के लिए धन्यवाद भी दिया।

बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन

कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिससे स्कूल प्रांगण उत्साह और उमंग से भर उठा।

शिक्षकों ने जताया आभार

बीड़ बगेहड़ा के जे.बी.टी. अध्यापक लवजीत कुमार ने बताया कि इस नेक कार्य को सफल बनाने में केंद्रीय मुख्य शिक्षक नंद कुमार, जे.बी.टी. अध्यापक विजय कुमार, और खैरी निवासी विक्की रिहाल का अहम योगदान रहा। उन्होंने कहा कि नव ऊर्जा वेलफेयर ट्रस्ट ने दूर-दराज़ के बच्चों की जरूरतों को समझते हुए उनकी समय पर मदद की, जो अत्यंत सराहनीय है।

कई स्कूलों के छात्र और अभिभावक पहुंचे

इस कार्यक्रम में राजकीय प्राथमिक पाठशाला खैरी, खनौली, जंगल, बैरी पलाही और बीड़ बगेहड़ा के बच्चे और उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।नव ऊर्जा वेलफेयर ट्रस्ट की यह पहल न केवल बच्चों की आवश्यक जरूरतें पूरी करती है, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना और मानवीय मूल्यों का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।